राष्ट्रीय
सहारा

कानपुर • बुधवार • 5 मार्च • 2025

राली को खेत में मिलाने से ढ़ती है मृदा की उर्वरा शक्ति

गेता में विजय छात्राओं को प्रमाण पत्र देते कृषि वैज्ञानिक डॉ. खलिल खान। फोटो : एसएनबी

ुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप ारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत ा विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का न किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रभान मोरियल शिक्षण संस्थान झींझक में जित किया गया, जिसमें 260 से भी छात्रछात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने वताया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं, जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।

उन्होंने छात्रों को जागरूक करते हुए वताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति वढ़ती है। उन्होंने कहा कि मृदा के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों, फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की वहुत कमी आ जाती है, जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से वढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. शशिकांत ने वताया कि पशुओं द्वारा गोवर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता वढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में फसल अवशेष प्रवंधन पर निवंध लेखन, चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में विजयी छात्रछात्राओं को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. माधुरी सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्रछात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रवंधन के वारे में जानकारी अवश्य दें। यहां गौरव शुक्ला, शुभम यादव सहित महाविद्यालय के शिक्षक सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

अमर उजाला 05/03/2025

सीएसए में डिजिटल मार्केटिंग विद एआई का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में डिजिटल मार्केटिंग विद एआई एंड इंटरनेशनल एग्री-ट्रेड में छह सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया गया है।

उद्घाटन अवसर पर मंगलवार को मुख्य अतिथि एवं सीएसए के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बताया कि कृषि क्षेत्र को बढ़ाने के लिए एआई और डिजिटल मार्केटिंग को एक साथ लाने की जरूरत है। सीएसजेएमयू की प्रबंधन प्रमुख डॉ. अंशु यादव और ऑनलाइन माध्यम से मिशन मार्केट मिर्ची की संस्थापक डॉ. प्रगति गोखले, डिजिटल मार्केटिंग विशेषज्ञ डॉ. गौरव पटेल, डॉ. विजय कुमार यादव भी उपस्थित रहे। (ब्यूरो)

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 252 कानपुर, बुधवार 05 मार्च 2025 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

उपस्थित रहे।

विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण-पत्र

कानपुर 7 सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रभान सिंह मेमोरियल शिक्षण संस्थान झींझक कानपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं।

अंक-5 कानपुर, बुधवार 5 मार्च 2025 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रभान सिंह मेमोरियल शिक्षण संस्थान झींझक कानपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने कहा कि मृदा के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ माधुरी सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित महाविद्यालय के शिक्षक डॉ दिनेश कुमार अवस्थी, डॉ दीपक पाल सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

Titel-code: UPHIN-48963 !! श्री शिवाय नमस्तुभ्यम्!! E-mail:jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर समाचार पत्र

सम्पादक जितेन्द्र सिंह पटेल 99569834016

आफिस 745 उत्तम विहार बैरी कल्यानपुर कानपुर नगर 208017

पत्रांक..... दिनांक.....

Wednesday 5th March 2025 jksingh.hardoi@gmail.com website: ?????? ???? 9956834016

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल सत्य का असर समाचार पत्र कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रभान सिंह मेमोरियल शिक्षण संस्थान झींझक कानपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने कहा कि मृदा के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ माधुरी सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित महाविद्यालय के शिक्षक डॉ दिनेश कुमार अवस्थी, डॉ दीपक पाल सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।

दैनिक
उद्योग नगरी टाइम्स
E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com
सत्य ही कर्तव्य
अंक :44 कानपुर, बुधवार 5 मार्च 2025 RNI UPHIN/2010/47220

फसल प्रबंधन हेतु डिग्री कॉलेज में हुई प्रतियोगिता, विजयी छात्र छात्राओं को वितरित किए प्रमाण पत्र

अनवर अशरफ

कानपुर यू एन टी । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा फसल अवशेष परियोजना अंतर्गत कॉलेज विद्यार्थी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रभान सिंह मेमोरियल शिक्षण संस्थान झींझक कानपुर में आयोजित किया गया। जिसमें 260 से भी अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान द्वारा बताया गया कि किसान फसल अवशेषों में आग लगा देते हैं। जिससे पर्यावरण प्रदूषित होता है साथ ही साथ मृदा में पोषक तत्वों का नुकसान होता है।उन्होंने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को खेत में मिला देने से मृदा की उर्वरा शक्ति बढ़ती है।उन्होंने कहा कि मृदा के अंदर जीवांश की मात्रा कम होने के कारण सब्जियों,फलों एवं अन्य फसलों में स्वाद व गुणवत्ता की बहुत कमी आ जाती है। जो कि फसल अवशेषों की खाद को मृदा में मिलाने से बढ़ाई जा सकती है। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक डॉ शशिकांत द्वारा बताया गया कि पशुओं द्वारा गोबर की खाद को मिलाने व फसल अवशेषों को मिलाने से मृदा में जीवांश क्षमता बढ़ती है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं में फसल अवशेष प्रबंधन पर निबंध लेखन,चित्रकला एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ माधुरी सिंह ने सभी अतिथियों को धन्यवाद दिया। साथ ही छात्र छात्राओं से कहा कि अपने अभिभावकों को फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में जानकारी अवश्य दें। इस अवसर पर गौरव शुक्ला,शुभम यादव सहित महाविद्यालय के शिक्षक डॉ दिनेश कुमार अवस्थी, डॉ दीपक पाल सहित अन्य विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहे।